AYJNISHD(D)

स्वतंत्रता दिवस संदेश

डॉ. सुमन कुमार, निदेशक
अ.या.जं.रा.वा.श्र.दि.सं., मुंबई

प्रिय सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं मित्रों,

भारत वर्ष के 79वें स्वतंत्रता दिवस के इस गौरवशाली अवसर पर मैं आप सभी को तथा आपके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ। यह दिन केवल हमारे इतिहास का एक पृष्ठ नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है, जिसने हमें स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत का उपहार दिया।

आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करते हैं, जिन्होंने अपने साहस, त्याग और अटूट संकल्प के बल पर हमें गुलामी की बेड़ियों से मुक्त किया। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, सरोजिनी नायडू सहित असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहाँ स्वतंत्रता, समानता और न्याय हर नागरिक का अधिकार हो। हम उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

वर्ष 2025 का भारत विश्व मंच पर प्रगति, दृढ़ता और नवाचार का प्रतीक बन चुका है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुसंधान, अक्षय ऊर्जा और सांस्कृतिक योगदान में हमारी उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। लेकिन हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि समावेशी विकास की दिशा में हमारा सफर जारी है—ऐसा विकास जिसमें समाज का कोई भी वर्ग, चाहे वह वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन हों, पीछे न रह जाए।

स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक सतत उत्तरदायित्व है—ऐसा उत्तरदायित्व जिसमें हम सभी का योगदान आवश्यक है। हम सबका कर्तव्य है कि अवसरों, शिक्षा, रोजगार, और तकनीकी साधनों तक समान पहुँच सुनिश्चित करें, ताकि वाक् एवं श्रवण दिव्यांगजन भी अपनी प्रतिभा और कौशल से राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

हमारा संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है—विशेष शिक्षा, सहायक तकनीकों, सांकेतिक भाषा, श्रवण यंत्र, और श्रवण पुनर्वास जैसे क्षेत्रों में न केवल शोध कर रहा है, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैला रहा है। यह स्वतंत्रता दिवस हम सबके लिए प्रेरणा बने कि हम बाधाओं को अवसर में बदलने की दिशा में और तेजी से काम करें।

जब हम तिरंगा फहराते हैं, तो उसके तीन रंग हमें प्रेरित करते हैं—केसरिया साहस और त्याग का, सफेद शांति और सत्य का, और हरा विकास और समृद्धि का प्रतीक है। बीच का अशोक चक्र हमें कर्मठता और सतत प्रगति का संदेश देता है-एक ऐसा संदेश जो हमें यह याद दिलाता है कि हमें सभी के लिए, बिना किसी भेदभाव के, समान अवसर बनाने हैं।

इस वर्ष का थीम *"आज़ादी का सम्मान करना, भविष्य के लिए प्रेरणा देना"*केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए। चाहे हमारा कार्य कार्यालय में हो, समाज में हो या व्यक्तिगत जीवन में—हर निर्णय में समावेशिता, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए।

संस्थान की ओर से, मैं आप सभी के परिश्रम, निष्ठा और योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम मिलकर यह संकल्प लें कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हम ऐसा भारत बनाएँगे जहाँ कोई भी अपनी क्षमता और सपनों को अभिव्यक्त करने में असमर्थ न रहे, और जहाँ स्वतंत्रता का दीपक और भी उज्ज्वलता से जलता रहे।

जय हिंद, जय भारत !

शुभकामनाओं के साथ,

एसडी/-

(निदेशक)